

प्रेषक,

महिमा,  
अनु सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता स्तर-१,  
लोक निर्माण विभाग,  
देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-२

देहरादून, दिनांक ११ दिसम्बर, २००८

**विषय:-** वित्तीय वर्ष २००८-०९ में लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवनों की ०२(दो) कार्यों की प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता गढ़वाल क्षेत्र लोक निर्माण विभाग पौड़ी के पत्रांक-१५०५/३३(२००८) भवन पर्व/०८ दिनांक २०-०३-०८ के क्रम में एवं शासनादेश सं०-१५३८/११-२/०७-०८(प्रा०आ०)/२००७ दिनांक १३-०७-०७ के सदमें में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश दिनांक १३-०७-०७ द्वारा संलग्नक के क्र०-१ व २ पर स्वीकृत ०२ कार्यों की स्वीकृति को निरस्त करते हुये मुख्य अभियन्ता गढ़वाल क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये ०२ कार्यों के रुपये ३४६.०१ लाख की लागत के आगणनों पर टी.ए.सी. द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रुपये २४९.१७ लाख (रुपये दो करोड़ उन्चाला लाख सत्रह हजार मात्र) की धनराशि की लागत के आगणन की उनके सम्मुख अंकित संलग्न विवरणानुसार प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए कार्य प्रारम्भ करने हेतु प्रत्येक कार्य के लिये उनके सम्मुख कालम-०५ में अंकित विवरणानुसार कुल रु० १.०० लाख (रु० एक लाख मात्र) की धनराशि की वर्तमान वित्तीय वर्ष २००८-०९ में व्यय करने की भी श्री राज्यपाल महोदय गिम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- २- इन कार्यों हेतु वित्तीय वर्ष २००७-०८ में व्यय हेतु निर्गत की गई धनराशि रु० ०१.०० लाख को तत्काल शासन को समर्पित किया जायेगा।
- ३- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत / अनुमोदित दरों का जो दरें शैड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- ४- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मन्वित्र गठित कर निम्नानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- ५- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- ६- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- ७- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के नयनजर रखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/ विशिष्टताओं के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय फलन करना सुनिश्चित करें।
- ८- कार्य कराने से पूर्व स्थल उच्च अधिकारियों एवं मू-गर्मेन्ता के साथ भली भाँति निरीक्षण अवश्य करा ले, निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- ९- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, व्यय उन्हीं मदों पर किया जाय, एक मद की राशि दूसरे मदों पर व्यय कदापि न किया जाय।

*Handwritten signature*

- 10— निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय ।
- 11— उक्त कार्यो हेतु भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करके ही धनराशि का आवरण किया जायेगा ।
- 12— कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जायेगा। कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी/अधिशाली अभियन्ता का होगा। समयबद्धता रूप से कार्य करने हेतु संबंधित अधिकारी/ निर्माण एजेंसी से अनुबन्ध कर पैनल्टी क्लास लगाये जाने पर विचार कर सका है ।
- 13— व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति भी प्राप्ता कर ली जाय तथा स्वीकृत की जा रही धनराशि का दि० 31-03-09 तक उपयोग सुनिश्चित कर लिया जाय । कार्य करता समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के नियमों का भी अनुपालन किया जाय। यदि टेण्डर करने में कार्य प्रशासकीय स्वीकृति की लागत से कम लागत पर पूर्ण होता है तो ऐसे समस्त व्ययों को प्रचलित वित्तीय नियमों का अनुपालन कर राजकीय कोष में जमा कर दिया जायेगा।
- 14— आगामी किस्त तब ही अवमुक्त की जायेगी जब स्वीकृत की जा रही इस धनराशि का पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिया जायेगा और उक्त विवरण प्रस्तुत करने के बाद ही उक्त कार्य पर आगामी किस्त अवमुक्त की जायेगी ।
- 15— व्यय हेतु प्राधिकारित धनराशि का उपयोग वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 में ही पूर्णतः कर लिया जायेगा। व्यय न हो जाने की स्थिति में सम्पूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित अधिशाली अभियन्ता का होगा।
- 16— कार्य पर होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2008-2009 के अनुदान सं०-22 लेखाशीर्षक- 4059 लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अनुमोदन-13-मूल्य आकलन योजना-00-24 वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 17— यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. संख्या— 936/XXVII(2)/2007, दिनांक 05 दिसम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक:- 02 कार्यो की सूची।**

भवदीय  
(महिमा)  
अनु सचिव

**संख्या:- 4045 (1)/111(2)/08-08(प्रा.आ.) 2007 तददिनांक ।**

**प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-**

1. महालेखाकार (लेखा प्रथम), ओबराय मोंटर्स बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
2. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन ।
3. आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
4. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
5. मुख्य अभियन्ता, गढ़वाल क्षेत्र, लो.नि.वि. पौड़ी ।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. निर्देशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
9. लोक निर्माण अनुभाग-1/3 उत्तराखण्ड शासन/गार्ड बुक ।

आज्ञा से,  
(महिमा)  
अनु सचिव

शासनादेश संख्या-५०५५/ १११(२)/०८-०८(पा.आ.)/०७ दिनांक ११ दिसम्बर, २००८ का संलग्नक

क्र० सं०	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	टी.ए.सी. वित्त द्वारा आंकलित राशि	(घनराशि लाख रुपये में) वित्तीय वर्ष २००८-०९ में व्यय की स्वीकृति
१	२	३	४	५
१.	जनपद पौड़ी गढ़वाल के ब्लॉक विद्यपीखाल में निरीक्षण भवन का निर्माण।	१८९.६७	१३५.९७	०.५०
२.	जनपद पौड़ी गढ़वाल के अद्वारियाखाल में निरीक्षण भवन का निर्माण।	१५६.३४	११३.२०	०.५०
	योग:-	३४६.०१	२४९.१७	०१.००

(रुपये एक लाख मात्र)

hkh

(महिमा)  
अनु सचिव